पार्सलों की बुकिंग पर माल भाड़े का पूर्व भुगतान करना आवश्यक है। पार्सलों की पुनर्बुकिंग के लिए भी परेषक को दत्त पार्सल रवन्ना को जारी करने के लिए माल भाड़ा प्रभारों का भुगतान करना अपेक्षित होता है। इस प्रकार का भुगतान या तो व्यक्तिगत तौर पर या एजेन्ट के द्वारा यह मनीआर्डर द्वारा किया जा सकता है। परेषिती द्वारा पार्सल परेषणों की सुपुर्दगी न लेने के मामले में रेलवे की आमदनी में होने वाली हानि से बचने के लिए रेलें पार्सल परेषणों के लिए माल भाड़ा प्रभार के भुगतान पर जोर देती हैं।

झारखंड आंदोलन के कारण रेल विभाग को हुआ घाटा

4780. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान झारखंड आंदोलन तथा अन्य आकस्मिकताओं के कारण रेल विभाग को हुए घाटे का वर्ष-वार ब्योरा क्या है;

(ख) प्रत्येक वर्ष में रेल विभाग को हुए घाटे के साथ ही उक्त कारणों से रेल-सेवा किस सीमा तक प्रभावित हुई है;

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) स्थिति से निपटने तथा रेल संपत्ति की सुरक्षा हेतु उठाये गये कदमों का ब्योरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ):

(क) और (ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान झारखंड आंदोलन तथा अन्य आकस्मिकताओं के कारण रेलों को हुई हानि इस प्रकार है :—

वर्ष	मामले			उठाई गई अनुमानित हानि (लाख रुपयों में)
	तोड़-फोड़ और आगजनी के	पटरी से उतरने के	बाधा पड़ने के	
1991	8	5	8	5.16
1992	6	3	19	0.47
1993	41	8	57	48.86

(ग) और (घ) चूंकि यह समस्या कानून एवं व्यवस्था की है इसलिए स्थिति से निपटने और रेल संपत्ति को क्षति से बचाने के लिए राज्य के पुलिस प्राधिकारियों से निकट संपर्क बनाए रखा जाता है। रात-दिन भेद्य स्थलों महत्वपूर्ण संस्थापनाओं की चौकसी की जाती है, रेल पथ पर गश्त लगाई जाती है, दो स्टेशनों के बीच रेल लाइनों के आस-पास सशस्त्र पहरेदारी की जाती है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण गाड़ियों के आगे-आगे सशस्त्र रक्षकों की देख-रेख में पायलट इंजन चलाए जाते हैं। ट्रालियों मोटर ट्रालियों तथा टावर मालडिब्बों द्वारा व्यापक रूप से गश्त भी लगाई जाती है।

रेल लाइनों के गेज-परिवर्तन के लिए निर्धारित लक्ष्य

4781. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में मंडल-वार और राज्य-वार गेज-परिवर्तन की योजना कब तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है;

(ख) इसके ब्यौरे क्या है;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिये किन-किन योजनाओं को प्राथमिकता दी जायगी ।

(घ) गत वर्ष के रेल बजट में महाराष्ट्र और गुजरात के लिये कितना वित्तीय प्रावधान रखा गया था;

(ङ) इस आवंटित राशि से वर्ष के अन्त तक इन दोनों राज्यों में किन-किन योजनाओं को पूरा कर लिया गया है; और

(च) वर्ष 1994-95 के रेल-बजट में महाराष्ट्र और गुजरात की किन-किन लम्बित योजनाओं को शामिल किया है, तथा उनका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) से (ग) रेलों ने देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिए एक आमान परियोजना शुरू की है। तदनुसार मी० ला०/छो० ला० के 13191 मार्ग कि० मी० को ब० ला० में बदलने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। इस कार्य योजना में से 6000 मार्ग कि० मी० को आठवीं योजना के दौरान और शेष कार्य को बाद की योजना में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। आठवीं योजना के दौरान पूरा करने के लिए निर्धारित परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

रेलवे	खण्ड/परियोजना का नाम	लम्बाई	राज्य	टिप्पणी
मध्य:	दौंड—बारामती	42	महाराष्ट्र	पूरी हो गई है ।
उत्तर:	दिल्ली—रेवाड़ी	83	हरियाणा	—वही—
	रेवाड़ी—भटिण्डा	300	हरियाणा	157 कि० मी० पूरी हो गयी है ।
	फुलेरा— जोधपुर— लालगढ़—कोलायत	431	राजस्थान	पूरी हो गयी है।
	मेड़ता रोड —मेड़ता सिटी	14	राजस्थान	
	जोधपुर —जैसलमेर	295	राजस्थान	
	लूनी— मारवाड़	72	राजस्थान	
	कोटकापुरा— फाजिल्का	80	पंजाब	पूरी हो गयी है ।
	लखनऊ—कानपुर	59	उत्तर प्रदेश	—वही—
पूर्वोत्तर :	आगरा—बांदीकुई	129	उत्तर प्रदेश राजस्थान	
	इलाहाबाद—छपरा	295	उत्तर प्रदेश	
	बुढ़वल—सीतापुर	98	उत्तर प्रदेश	पूरी हो गयी है ।
	मानकपुर—कटरा	30	उत्तर प्रदेश	—वही—
	लालकुआं—काठगोदाम	29	उत्तर प्रदेश	—वही—

रेलवे	खण्ड/परियोजना का नाम	लम्बाई	राज्य	टिप्पणी
पूर्वोत्तर :	समस्तीपुर—दरभंगा	37	बिहार	
	मुजफ्फरपुर—रक्सौल	129	बिहार	
पूर्वोत्तर—सीमा :	गुवाहाटी—लमडिंग—डिब्रूगढ़ (शाखा लाइनों सहित)	561	असम	181 कि० मी० पूरा हो गय है ।
दक्षिण :	हुबली—बैंगलूर	469	कर्नाटक	274 कि० मी० पूरा हो गया है ।
	बैंगलूर—मैसूर	138	कर्नाटक	पूरी हो गयी है ।
	मद्रास—तामबरम्	27	तमिलनाडु	—वही—
	डिण्डीगुल—तूतीकोरिन	197	तमिलनाडु	—वही—
	बैंगलूर—येलहंका	16	कर्नाटक	—वही—
	बेल्लारी—रायदुर्ग	54	कर्नाटक	—वही—
	रायदुर्ग—चित्रदुर्ग	100	कर्नाटक	—वही—
	चित्रदुर्ग—चिकजाजूर	34	कर्नाटक	—वही—
दक्षिण—मध्य :	मनमाड—परलीविजनाथ	243	महाराष्ट्र	—वही—
	परभनी—अदिलाबाद	244	महाराष्ट्र	—
	गुंटूर—गुन्तकल	409	आंध्र प्रदेश	—
	सिकदराबाद—महबूबनगर	113	आंध्र प्रदेश	पूरी हो गयी है ।
	लौंडा—हुबली—हॉसपेट	331	कर्नाटक	—
	सिकंदराबाद—बोलारम्	14	आंध्र प्रदेश	पूरी हो गयी है
दक्षिण—पूर्व :	पुरुलिया—कोटशिला	35	पश्चिम बंगाल	—वही—
	गोंदिया—चांदाफोर्ट	248	महाराष्ट्र	82 कि० मी० पूरी हो गयी है ।
पश्चिम :	आगरा—बांदीकुई	151	राजस्थान	
	रेवाड़ी—अहमदाबाद	851	राजस्थान/गुजरात/हरियाणा	
	सवाईमाधोपुर—जयपुर—फुलेरा	187	राजस्थान	पूरी हो गयी है ।
पश्चिम :	वीरमगाम—मेहसाना	65	गुजरात	
	नड़ियाड—कपड़ागंज	45	गुजरात	पूरी हो गयी है ।

(घ) गुजरात और महाराष्ट्र के गत वर्ष के बजट में आमान परिवर्तन कार्यों के लिए धन की व्यवस्था इस प्रकार थी :–

गुजरात	0.33 करोड़ रु०
महाराष्ट्र	130.8 करोड़ रु०

(ङ) 1993–94 के दौरान गुजरात और महाराष्ट्र में पूरी की गई आमान परिवर्तन योजनाएं निम्नलिखित हैं :

गुजरात	कुछ नहीं
महाराष्ट्र	1. गोंदिया–अर्जुनी
	2. दौंड–बारामती
	3. जालना– परभनी

(च) गुजरात में राजकोट वेरावल (185 कि० मी०) के आमान परिवर्तन को 1994–95 के बजट में शामिल किया गया है ।

महाराष्ट्र में गेज–परिवर्तन करने के लिए आवंटित की गई राशि

4782. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र ने राज्य में रेल लाइनों के गेज–परिवर्तन करने संबंधी किन–किन परियोजनाओं के प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के समक्ष प्रस्तुत किये है;

(ख) यदि हां, तो इसके ब्यौरे क्या है;

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक उनमें से कितनी परियोजनाओं को सरकार ने मंजूरी दे दी है और पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा दी है; और

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना और चालू रेल–बजट में इन लम्बित पड़ी परियोजनाओं के लिये सरकार ने कुल कितनी धनराशि आवंटित की है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) और (ख) निम्नलिखित आमान परिवर्तन परियोजनाओं के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा केन्द्र सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत किये है :—

छो० ला०/मी० ला० का आमान परिवर्तन

(i) औरंगाबाद–परभनी

(ii) परभनी–मुदखेड़–आदिलाबाद

(iii) गोंदिया–चान्दा फोर्ट

(iv) शोलापुर–बीजापुर

(v) दौंड–बारामती

(vi) मिरज–लातूर

(vii) पाचोर–जामनेर

(viii) नागपुर – नागभीर

(ग) सातवीं योजना में निम्नलिखित परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं :—

(i) मनमाड-परभनी–पर्ली बैजनाथ

(ii) परभनी, अपूर्ण, मुदखेड़–आदिलाबाद और पूर्णा-मुदखेड़ बहरहाल, केवल मनमाड-औरंगाबाद के लिए पर्याप्त धन का आबंटन किया था ।

(घ) (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के पहले तीन वर्षों में 222.85 करोड़ रुपये ।